विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 23-29 अप्रैल 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 49 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

मानव जीवन बड़े भाग्य से मिलता है. इसीलिए परमात्मा की कृपा मानकर अच्छे से जीने के साथ ही हमारे कारण किसी को तकलीफ नहीं हो, इस बात का ध्यान रखते हुए जो लोग जीवन जीते हैं, वह मरकर भी कभी नहीं मरते हैं. मानव जीवन में स्वयं के साथ ही अन्यों के लिए भी राहें आसान करने का भाव तथा स्वभाव बनाने वाले लोगों के लिए जीवन के साल कम पड़ जाते हैं. स्वयं भी खुश रहें,अन्यों को खुश रखने प्रयास करें.

बच्चों की सुरक्षा निर्देश जारी

विदर्भ स्वाभिमान,22 अप्रैल

मुंबई- बदलापुर कांड के बाद शिंदे सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं. मुंबई उपनगरीय जिले के कैबिनेट और गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई उपनगरीय के जिला कलेक्टर को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं.गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने एक पत्र जारी करते हुए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया.लोढ़ा ने कहा कि 1 सितंबर से राज्य भर के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों में युवतियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा. महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए.

पढ़ाई के साथ ही सर्जनशील कला भी जरूरी

बच्चों को किताबी मशीन नहीं बल्कि कलाओं में विकसित करना होता है जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान, 15 अप्रैल

अमरावती- आज के एआई और तेज़ी से बदलते समय में, बच्चों के लिए सिर्फ़ अच्छी पढ़ाई करना काफ़ी नहीं है. बच्चों में दूसरी ज़रूरी स्किल्स भी होनी चाहिए. परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स के ज़रिए बच्चे अच्छा बोलना सीखते हैं, उनका कॉन्फ़िडेंस बढ़ता है, नए आइडिया पेश करना सीखते हैं और दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता डेवलप होती है. आसान शब्दों में कहें तो, पढ़ाई और आर्ट्स में बैलेंस बनाकर बच्चे ज़्यादा काबिल और सफल बनते हैं.

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन तेज़ी से करियर और इंडस्ट्रीज़ को बदल रहे हैं. इसलिए, अब कई पेरेंट्स के मन में एक ज़रूरी सवाल उठ रहा है कि अगर उनके बच्चों को भविष्य में सफल होना है, तो उनमें कौन सी स्किल्स होनी चाहिए? क्योंकि आने वाला समय बहुत अनिश्चित है और सिर्फ़ पारंपरिक पढ़ाई काफ़ी नहीं होगी. पहले, अच्छे मार्क्स और पढ़ाई में सफलता को ही सफलता का मुख्य क्राइटेरिया माना जाता था. लेकिन अब हालात बदल रहे हैं. हालाँकि पढ़ाई ज़रूरी है, लेकिन बच्चों में कुछ और ज़रूरी स्किल्स होना भी उतना ही ज़रूरी हो गया है. जैसे, कम्युनिकेशन स्किल्स, क्रिएटिविटी, दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता और सबसे ज़रूरी, बदलते हालात के हिसाब से ढलने की क्षमता आज के समय में बहुत ज़रूरी होती जा रही है. ये स्किल्स बच्चों को न सिर्फ़ नौकरी पाने में मदद करती हैं, बल्कि ज़िंदगी में अलग-अलग हालात का ठीक से सामना करने में भी मदद करती हैं. इसलिए, पेरेंट्स के लिए यह ज़रूरी है कि वे सिर्फ़ पढ़ाई पर ध्यान देने के बजाय अपने बच्चों के ओवरऑल डेवलपमेंट पर ध्यान दें.

आजकल पेरेंट्स की सोच बदल रही है. अब वे सिर्फ़ यह नहीं देखते कि उनकी पढ़ाई अच्छी है या नहीं, बल्कि यह भी देखते हैं कि स्कूल में दूसरी एक्टिविटीज़ हैं या नहीं. खासकर, जिन स्कूलों में परफॉर्मिंग आर्ट्स प्रोग्राम होते हैं, उन्हें ज़्यादा पसंद किया जाता है. परफॉर्मिंग आर्ट्स में ड्रामा, म्यूज़िक, डांस और साइलेंट एक्टिंग शामिल हैं. पहले, इन चीज़ों को सिर्फ़ एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ माना जाता था. लेकिन अब लोगों को एहसास हो गया है कि **शेष पेज 7 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

डर्टी विडियो से मत करें अमरावती जिले को बदनाम

अमरावती जिले का यह सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य, पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिस तरह से जिले की प्रतिमा मलिन हो रही है, वह निश्चित ही शिक्षा, भगवान श्रीकृष्ण काससुराल रहने वाले जिले के लिए उचित नहीं है. जिले में प्राचीनतम इतिहास के लिए सुख्यात अचलपुर-परतवाड़ा में जिस तरह से हरकत की गई है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है. लेकिन इसके साथ ही इस मामले में संयम के साथ ही सभी पक्षों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि इस माध्यम से हमारा शैक्षिक, सांस्कृतिक विरासत से प्रगल्भ जिला बदनाम नहीं हो. पुलिस जांच कर रही है, सच्चाई सामने आएगी. लेकिन जिस तरह से मामले में आए दिन नेताओं के बयान आ रहे हैं, उसका भी समर्थ नहीं किया जा सकता है.

जिले में परतवाड़ा में सामने आए मामले के कारण पूरे देश में जिस तरह से सांस्कृतिक और शिक्षा के लिए प्रसिद्ध अमरावती जिले की बदनामी हो रही है, वह निश्चित तौर पर निंदनीय बल्कि कोफ्त लाने वाली है. इस मामले में एसआईटी का गठन कर सरकार द्वारा आरोपियों को दबोचने के साथ ही मामले की गहन जांच की जा रही है लेकिन मामले को लेकर कुछ नेताओं द्वारा जिस तरह से बोल बोले जा रहे हैं, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता है. अपराधी केवल अपराधी होता है. हैरत की बात यह है कि राजनीतिक नेताओं द्वारा हर विषय को राजनीति की तराजू में तौलकर देखने की प्रवृत्ति का अनुभव जिले में पिछले कुछ समय से हो रहा है. इसकी जितनी निंदा की जाए कम है. कोई विकास की बात करता है तो कोई उसमें अडंगा डालने की बात करता है. महंगाई, बेरोजगारी से बेजार लोगों पर ध्यान नहीं है, विकास के काम घटिया हो रहे हैं, उस पर ध्यान नहीं है, अपनी ताकत का इस्तेमाल करके जिले को विकास में आगे बढ़ाने के मामले में समर्पण नहीं दिखाई दे रहा है लेकिन बाकी मामलों को लेकर लोग भी त्रस्त हो गए हैं. परतवाड़ा कांड की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है. शिकार बनी नागपुर की एक नाबालिग पीड़िता के बयान से मुख्य आरोपी अयान अहमद तनवीर अहमद के गुनाहों की परतें खुलनी शुरू हो गई है. जिससे पूरे मामले में नए खुलासों की उम्मीद बढ़ गई है. अब तक इस मामले में 8 आरोपियों को धर लिया गया है. जिनमें से 6 आरोपियों ने आपत्तिजनक वीडियो वायरल किए थे. पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद की जांच की सराहना स्वयं जिला पालकमंत्री ने की, उन्होंने भी नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी है. पीड़िता के बयान के आधार पर मुख्य आरोपी अयान अहमद और उसके सहयोगियों के खिलाफ जांच का दायरा और विस्तारित किया जाएगा. यह इस हाई-प्रोफाइल मामले में पहला मौका है, जब किसी पीड़िता ने आधिकारिक रूप से सामने आकर अपनी आपबीती साझा की है. अयान के पिता को उनके बेटे की पूरी हरकत का पता था, लेकिन पूछताछ में जानकारी छुपाने की भी सामने आया है. जिसके चलते अब अयान परिवार पर भी शिकंजा कसने के आसार नजर आ रहे है. इस मामले की जिस तरह से बेहतरीन जांच की जा रही है, उसकी सराहना की जानी चाहिए. साथ ही नाहक की बयानबाजी से जिले को बदनाम करने से बचने की समझदारी जिले के सभी दलों के नेताओं को दिखानी चाहिए. अमरावती जिले के लिए दो साल से निश्चित तौर पर स्थितियां बेहतरीन नहीं हैं लेकिनि वकास में आसमानी ऊंचाई की बजाय इस तरह के मामले में बदनाम होना निश्चित ही दुःखदायी है.

महिलाओं को तय करनी होगी मर्यादा

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जन्म देने वाली बेटी,माताएं आज अगर असुरक्षित हैं और उनका घर से निकलना अगर सुरक्षित नहीं तो निश्चित तौर पर यह समाज, सरकार की विफलता है, जो उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं. लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही सच है कि आज हम हमारे संस्कारों, आचार-विचारों से दूर जा रहे हैं, इससे भी कोई इंकार नहीं कर सकता है. बेटियों को पढ़ाई के साथ ही ताकतवर बनने के अलावा हर स्थिति से निपटने में स्वयं को मजबूत बनाने का प्रयास करना होगा. आज जिस तरह से बलात्कार और छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं, वह समाज के लिए शर्मसार करने वाली स्थिति है. लेकिन इससे भी बड़ी बिडंबना है कि हम संस्कारों के साथ ही कई मामलों में जड़ों से दूर हो रहे हैं. जिस तरह से पेड़ जड़हीन होने के बाद खड़ा नहीं रह सकता है, उसी तरह आदर्श संस्कारों से दूर होने के बाद कई दिक्कतें पैदा होती हैं. हमारी लक्ष्मण रेखा भी हमें स्वयं ही बनानी होगी.

जीवन में मर्यादा के पालन का सदा महत्व होता है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है. महिलाओं को स्वयं की लक्ष्मण रेखा तय करनी होगी, वहीं कानून के राज में बलात्कार का मामला जघन्य कहना गलत नहीं होगा. पिछले कुछ वर्षों के दौरान महिलाओं पर जिस तरह से अत्याचार बढ़े हैं, वह हैरत के साथ ही कई सवाल पैदा करते हैं. विशेष वर्ग की महिलाओं के साथ छेड़छाड़, बलात्कार जैसी घटनाएं नगण्य हैं, वहीं दूसरी ओर एक वर्ग के मामले में यह घटनाएं बढ़ी हैं. यह क्यों हुआ है, इस पर भी सामाजिक चिंतन किया जाना जरूरी है. समाज में महिलाओं की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, जो केवल पहनावे या किसी एक समुदाय से जुड़ा नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक सोच, कानून व्यवस्था और आपसी सम्मान से संबंधित है. हर महिला चाहे किसी भी धर्म या पृष्ठभूमि से हो, वह सुरक्षा, गरिमा और स्वतंत्रता की हकदार है.महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ बातें जरूरी हैं. लेकिन इसके साथ ही अपने संस्कार, आचार विचार और पहनावे का फैसला लेते समय हमें भी सजगता का परिचय देना चाहिए.

महिलाओं की सुरक्षा समाज की जिम्मेदारी रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है लेकिन इसके साथ ही हमारा भी दायित्व है कि हमारी गरिमा, हमारा सम्मान अन्यों की नजर में किस तरह बढ़ना चाहिए, इस बारे में हमें ही सोचना होगा. समाज में जागरूकता और सम्मान की भावना पैदा करने के लिए बचपन से ही बच्चियों को शालीनता और महान संस्कारों की शिक्षा दी जानी चाहिए. इसके साथ मजबूत कानून और उनका प्रभावी पालन होना चाहिए. परिवार और शिक्षा के माध्यम से सही संस्कार देना जरूरी है. वर्तमान में आमतौर पर घर से ही सही संस्कार नहीं मिलते हैं. बेटियों को संस्कार जब घर से अच्छी तरह से दिया जाता है तो निश्चित तौर पर कई समस्याएं हल हो जाती हैं. सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित वातावरण के साथ ही हमारा व्यवहार, हमारा पहनावा भी काफी मायने रखता है. यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी भी प्रकार की हिंसा या अपराध के लिए पीड़ित को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। लेकिन इसके साथ ही हमें किस तरह रहना है, जिससे हमारा सम्मान बढ़े और किसी को उंगली उठाने का मौका नहीं मिला, यह देखने की जिम्मेदारी महिलाओं की होती है. वर्तमान में संस्कार की कमी के कारण बड़ी संख्या में समस्याएं पैदा हो रही हैं. बेटियों को भी माता-पिता के विश्वास के साथ ही समय के महत्व को ध्यान में रखते हुए कदम रखना होगा.

धरती खुशहाल है तो मानव जीवन खुशहाल

विश्व पृथ्वी दिवस पर सभी लें पौधारोपण, पानी बचाने तथा प्लास्टिक निर्मूलन का संकल्प

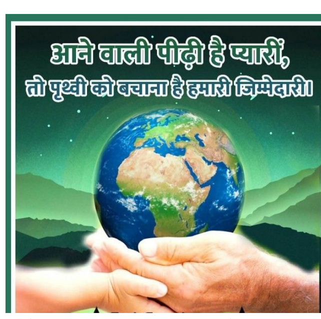

विदर्भ स्वाभिमान

सुदर्शन गांग,बडनेरा

बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस अथवा विश्व वसुंधरा दिवस था, इस पर लाखों लोगों द्वारा पृथ्वी के लिए बात की जाती है. पृथ्वी की महत्ता कोई नहीं जानता, ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा. मौसम में लगातार बदलाव के लिए कई बार हम भी जिम्मेदार रहते हैं. इसका असर मौसम के रूप में पड़ रहा है. धरती की हरियाली हमारी जिम्मेदारी है. पेड़-पौधे, जल, जंगल और पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है. यदि हम आज प्रकृति की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुंदर जीवन मिल सकेगा. एक पेड़ लगाना, पानी बचाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और स्वच्छता अपनाना छोटे कदम हैं, लेकिन इनसे बड़ा परिवर्तन संभव है. आइए संकल्प लें कि धरती को हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाएंगे, क्योंकि धरती की हरियाली ही मानव जीवन की खुशहाली है.

विश्व पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है. यह दिन हमें हमारी धरती, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश देता है. पृथ्वी केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि समस्त जीव-जंतुओं, वनस्पतियों और मानव जीवन का आधार है. यदि पृथ्वी सुरक्षित है, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित है.आधुनिकता के दौर में बड़ी संख्या में वाहनों के साथ ही आज बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई, जल संकट, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ पृथ्वी के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं. इन चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है. हर भारतीय को एक पौधा लगाने और उसका संवर्धन करने की जिम्मेदारी उठाना चाहिए, निश्चित तौर पर इससे मानव का ही भला होगा. हमें पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, प्लास्टिक का उपयोग कम करना, स्वच्छता बनाए रखना और ऊर्जा की बचत करना जैसे छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए.

भूजल स्तर बढ़ाने तथा पर्यावरण संतुलन के मामले में भारतीय जैन संगठन द्वारा प्रयास किया जाता है और इसके बेहतरीन नतीजे भी सामने आएंगे. विश्व पृथ्वी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है. यदि हम आज पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को संकटों का सामना करना पड़ेगा. इसलिए हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम धरती माता की रक्षा करेंगे और उसे हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाएंगे.धरती हमारी है, इसकी रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है. पृथ्वी हमारी माता है तो हमें पुत्रवत भूमिका निभाते हुए हरियाली का प्रयास करना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

भगवान वैद्य प्रखर की लघुकथा पर शॉर्ट-फिल्म

सामाजिक वास्तविकता का दर्शन कराती फिल्म बड़ा संदेश देने में है सक्षम

विदर्भ स्वाभिमान, 22 अप्रैल

अमरावती- क्या वर्तमान में आत्मीयता घट रही है, क्या हमारे संस्कार कमजोर पड़ रहे हैं अथवा हमारा स्वार्थ और सोचने की प्रवृत्ति घट रही है, जो हम अपनों के प्रति भी संवेदनहीन हो रहे हैं. पांच-पांच संतति के बावजूद पति के निधन के बाद वृद्धावस्था में अकेले रहने को मजबूर महिला की कहानी है, शहर के वरिष्ठ साहित्यकार, भगवान वैद्य प्रखर की लघुकथा पर बनी शॉर्ट-फिल्म कम पड़ गए पांच. इसमें लेखक ने जिस तरह कम शब्दों में भावनाओं को व्यक्त करते हुए वर्तमान व्यवस्था पर कटाक्ष किया है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है.

मनीष खण्डेलवाल के निर्देशन में राज क्रियेशन्स द्वारा बनाई गई तथा हाल ही में यू-ट्यूब पर रीलीज की गई 12 मिनट की यह शॉर्ट-फिल्म अंतर्राष्ट्रीय वेब पत्रिका laghukathaa.com नवंबर 2025 में प्रकाशित लघुकथा साथ पर बनायी गयी है.

विभिन्न विधाओं में 21 पुस्तकों के लेखक-अनुवादक प्रखर जी की 300 से अधिक लघुकथाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं. उनमें से आधी से अधिक का मराठी में एवं कुछेक का अंगरेजी, कन्नड, नेमाड़ी, कोरकू आदि भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उनके द्वितीय लघुकथा-संग्रह बोनसाई को किताब-घर, दिल्ली का राष्ट्रीय आर्य-स्मृति साहित्य सम्मान-2018 प्राप्त है. उल्लेखनीय है कि उनकी पांच लघुकथाएं इसी वर्ष कवयित्री बहिणाबाई चौधरी विश्वविद्यालय, जलगांव के हिंदी द्वितीय-वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए निर्मित पुस्तक में शामिल की गयी हैं. साहित्य क्षेत्र में अमरावती का नाम राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने वाले भगवान वैद्य प्रखर वास्तविकता पर आधारित साहित्य के धनी माने जाते हैं. उनकी यह शार्ट फिल्म वर्तमान स्थिति की सच्चाई बताने में समर्थ है. जो माता-पिता पूरा जीवन अपने बच्चों के भविष्य संवारने में खर्च कर देते हैं, बुढ़ापे में

जब उन्हें संभालने की बारी आती है तो निश्चित तौर पर वर्तमान पीढ़ी में अत्यल्प ऐसे हैं, जो जीवन के अंतिम सांस तक माता-पिता की सेवा करने में स्वयं को धन्य मानते हैं.

विश्व पृथ्वी दिवस पर छात्रों को बताया महत्व

पोद्दार स्कूल में जलपात्र वितरित, तत्काल लगाया भी,सैकड़ों ने की सराहना,घरों पर भी लगाया

विदर्भ स्वाभिमान, 22 अप्रैल

अमरावती- प्रकृति की सुरक्षा हर मानव की जिम्मेदारी रहने के बाद भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिस तरह से मामले में लापरवाही बरती जा रही है, उसके गंभीर परिणाम मौसम में असंतुलन के रूप में दिखाई दे रहा है.विश्व पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण के क्षेत्र में वर्षों से उल्लेखनीय कार्य करने वाली वार संस्था के अध्यक्ष निलेश कंचनपुरे के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम लिया गया. इस कड़ी में विद्यालयों में पक्षियों के लिए जलपात्र का वितरण किया गया. बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर बडनेरा रोड स्थित पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल में वन विभाग व सामाजिक वनीकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम लिया गया. इस दौरान विद्यार्थियों को पक्षियों के लिए मिट्टी के जलपात्र वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया.

छात्रों ने भी इसे अपने घर पर लगाने का संकल्प जताया.भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी की कमी से राहत देने के उद्देश्य से पक्षी जलपात्र वितरण पहल की गई. कार्यक्रम में उपवनसंरक्षक अर्जुना के. आर., विभागीय वन अधिकारी कमलेश पाटील, सहायक वनसंरक्षक योगेश तापस, डॉ. मयूर भेलने, सुमित कुमार सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

वाईल्ड अवेयरनेस रिसर्च एंड रेस्क्यू वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष निलेश कंचनपुरे के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पक्षी संरक्षण का महत्व बताया गया.प्राचार्य नितीन कोली ने विद्यार्थियों को संबोधित पक्षियों के संरक्षण को समय की जरूरत बताया.

अतिथियों ने भी गर्मी के दिनों में घरों और छतों पर पक्षियों के लिए पानी रखने का आह्वान किया. संचालन अपर्णा अर्पाले ने किया. आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा.

मुंबई में युवा शक्ति जागर यात्रा में अमरावती पदाधिकारी शामिल

विदर्भ स्वाभिमान, 22 अप्रैल

अमरावती-भारतीय जनता युवा मोर्चा, महाराष्ट्र राज्य के जिला अध्यक्षों की बैठक सोमवार को मुंबई के के. सी. कॉलेज में संपन्न हुई. इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र जी चौहान ने की. साथ ही भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मा. श्री कृष्णराज जी महाडिक की प्रमख उपस्थिति में यह बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई.

मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यलय मंबई से राज्य के मखमंत्री मा. देवेन्द्र जी फड़नवीस के नेतृत्व में आरंभ हुई यह यात्रा सम्पूर्ण महाराष्ट्र में कृष्णराज महाडिक द्वारा निकाली गई. प्रमख उपस्थित मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, रवीन्द्र जी चौहान, सुनील जी राणे, नितेशजी राणे, अशोक चौहान, राज्यसभा खासदार धनंजय जी महाडिक आमदार श्री विक्रांत जी पाटील अनेक मान्यवर उपस्थित थे. इस बैठक में विजय उर्फ विक्की शर्मा द्वारा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कृष्णराज महाडिक जी को शुभकामनाएं दी गई- साथ में अमरावती भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री अश्विन राउत, उपाध्यक्ष पीयूष श्रीवास्तव, सचिव योगेश श्रीवास्तव तथा कॉटन मार्केट मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष अक्षय भोगल उपस्थित थे.

मंगलमय में हो मिलन तुम्हारा

चि. योगेश उर्फ अमित

चि.सौ.का.छाया उर्फ साक्षी

छाया कॉलोनी निवासी, ओम कल्की बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के संचालक तथा शहर के प्रतिष्ठीत व्यवसायी, समाजसेवी सौ. सुनीता व गजानन बनारसे के सुपुत्र चि. योगेश उर्फ अमित बनारसे का शुभविवाह पार्वती नगर निवासी सौ. पल्लवी व विनोदराव गुल्हाने की सुपुत्री सौ. छाया उर्फ साक्षी के साथ शनिवार २५ अप्रैल को बडनेरा रोड स्थित साहिल लॉन में शाम ६ बजकर ३७ मिनट पर होने जा रहा है. नवदंपति को जीवन की नई मंगलमय बेला पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, सुख,समृध्दि और स्वास्थ्य का आशिर्वाद प्रभु से मिले, हम सभी की यही कामना.

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा अमित बनारसे मित्र परिवार, अमरावती.

शुभमंगल सावधान.......

आयुष्यमान अनिरूद्ध- आयुष्यमती कीर्तिश्री

शहर के सुख्यात समाजसेवी, मे.रतनलाल मदनलाल दायमा, श्री बालाजी ट्रांसपोर्ट के संचालक दायमा परिवार के सौ. संगीताश्री एवं गोविंद दायमा के सुपुत्र आयुष्यमान अनिरूद्ध का शुभविवाह पुणे निवासी सौ. भक्तिजी एवं कुमारदत्तजी जोशी की सुपुत्री आयुष्यमती कीर्तिश्री के साथ हुआ. इस उपलक्ष्य में आशिर्वाद समारोह एवं स्वरूचि भोज रविवार 26 अप्रैल शाम 7.31 से 11.31 बजे हो रहा है.

नवदम्पति को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की

मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

भगवान व्यंकटेश का विवाह होने की तैयारी

गतांक से जारी-मुझसे कहा था. तब मैंने इस रूप में कहा था. 'हे संुदरी ! अब मैं एक पत्नीव्रत हूँ. मैं इस संुदरी के साथ विवाह नहीं कर सकता. हे रमणी ! अगले जन्म में बडे आनंद से इसके साथ विवाह करूँगा. अठ्टाईस द्वापरांतर के बाद कलियुग में अनेक भक्त जनों की रक्षा के लिए वेंकटाद्रि पर अवतार लेने पर इस कन्या के साथ मैं विवाह करूँगा. तब .तक यह कन्या ब्त्म लोक में रहेगी. बाद में जब मैं वेंकटाद्रि पर अवतरित - होने पर तब यह भामिनी भूमि से उदय होगी, तब मैं इसके साथ विवाह - करूंगा.' ऐसा मैंने सीता से कहा था. यह पूरा रहस्य सिर्फ मुझे ही मालूम है. हे जननी ! इससे बढ़कर जनक को तथा वेदवती को इस रहस्य के बारे में मालूम है. किसी पराये को नहीं मालूम इस रहस्य को आज मैंने तुमको बताया. इसे अपने मन में ही छिपा कर रखो. उसके बाद अपनी महिमा से मैंने उस वेदवती को अग्नि में ही छोड़कर सुरचिर सीता को प्राप्त किया. विभीषण को पट्टाभिषिक्त बनाकर,

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

लक्ष्मणादि कपि वीरों के साथ अयोध्या नगर पहँुचकर जनरंजक रूप से शासन किया. काल बीतता गया. तद्परांत द्वापर युग में मैं ही वसुदेव को कृष्ण के रूप में पैदा हो गया. यही वल्मीक में पड़ा रहा.' इस रूप में वकुला को हरि ने अपना पूर्व वृत्तात सुनाया. यह सुनकर वकुला ने संतोष के साथ 'वेदवती के पूर्व वृत्तांत के बारे में बताओ' कहा तो हरि ने इस रूप में बताया. 'सुनो वकुला देवी ! वेदवती की पूर्व कथा बताऊँगा. वह ऐसी है कि विप्र कन्या वेदवती ने मुझ पर मोहित होकर पति के रूप में मुझे

पाने के लिए तप किया. तब उसे देखकर उस पर कामुक होकर रावण ने उसे पाने की कोशिश की. किंतु वेदवती ने उसका विरोध किया. वेदवती ने अपनी देह पर आशा छोड़कर विश्रवसु के पुत्र रावण को देखकर गुस्से में उससे कहा. 'मैं अवश्य ही तुझे हरि के हाथों से संहार कराऊँगी.

विधानसभा आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में बनाया रिकार्ड

विधानसभा आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में विधायक रवीभाऊ राणा ने उल्लेखनीय कार्य किया है. सर्वाधिक आश्वासनों की पूर्ति करने वाले पहले अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है. उनके इस कार्य की सराहना करते हुए विधानसभा स्तर पर उनका सम्मान भी किया गया है. प्रशासन में उनकी निर्णय क्षमता और जनहित के प्रति उनका स्पष्ट दृष्टिकोण उनकी कार्यशैली की प्रमुख विशेषताएं मानी जाती हैं.विधानसभा आश्वासन समिति एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाली समिति है. विधायक सदन में जनसमस्याएं उठाते हैं, जिन पर मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्य आश्वासन देते हैं. उन आश्वासनों की पूर्ति और क्रियान्वयन सुनिश्चित करना इस समिति का कार्य होता है. इस जिम्मेदारी को रवीभाऊ राणा पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ निभा रहे हैं. इससे यह स्पष्ट होता है कि वे अध्यक्ष के रूप में जनता को न्याय दिलाने के लिए कितनी गंभीरता से कार्य कर रहे हैं.विधायक रवीभाऊ राणा चौथी बार निर्वाचित हुए हैं. उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास और आशीर्वाद के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में तथा उपमुख्यमंत्रियों और मंत्रिमंडल के सहयोग से उन्होंने अपने क्षेत्र में जनहित के अनेक कार्य किए हैं और कर रहे हैं. जनता से आत्मीय संवाद करना, उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना उनकी कार्यशैली की विशेष पहचान है.बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में एक ही छत के नीचे शासकीय एवं अर्धशासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने पहले भी विशेष शिविरों का आयोजन किया है और अब फिर से इसकी योजना बनाई जा रही है. इन शिविरों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है. लगभग 370 पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभ दिलाने की दिशा में वे सफल हो रहे हैं. इस पहल को राज्य सरकार और पालकमंत्री स्तर से भी सहयोग मिला है. बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन पालकमंत्री के हाथों किया जाएगा.

इसके अलावा, हनुमानगढी क्षेत्र की प्राकृतिक पर्वतरांगों में पर्यटन स्थल के विकास के लिए मुख्यमंत्री और पालकमंत्री की ओर से निधि मंजूर की गई है. इसका उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छ हवा और प्रकृति का अनुभव उपलब्ध कराना है. साथ ही, हनुमानगढी स्थित इंद्रेश्वर मंदिर परिसर में प्रजापिता ब्त्माकुमारीज के ओम शांति केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव भी संबंधित ट्रस्ट द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है.जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने वाले रवीभाऊ राणा को भागीरथ के रूप में भी जाना जाता है. समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग तक विकास पहुंचाने का उनका प्रयास निरंतर जारी है. जनता के आशीर्वाद से उभरे इस जननेता को उनके जन्मदिन के अवसर पर उमेश महादेवराव ढोणे ने शुभकामनाएं दी हैं. अन्य लोगों की ओर से भी उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं और भविष्य में भी उनके हाथों से अधिकाधिक जनहित के कार्य होते रहें, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की जा रही है.

उमेश महादेवराव ढोणे,महासचिव,
महाराष्ट्र राज्य कृती समिति
मोबाइल: 9049067331

जननायक सौभाग्यशाली नेता हैं विधायक रवि राणा

जनसेवा दिन के रूप में मनाते हैं अपना जन्मदिन

आजकल राजनीति में रहने वालों में बहुत कम भाग्यशाली होते हैं, जिनके जीवन में खुशियां हों और जीवन में तमाम ऊंचाई के बाद भी जमीन से जुड़े हैं और लोगों का प्रेम प्राप्त कर रहे हैं. बडनेरा में विधायकी का इतिहास रचने वाले विधायक रवि राणा जमीन से जुड़े और आसमानी बुलंदी हासिल करने के बाद भी जमीन पर रहने वाले और कार्यकर्ताओं को परिवार के सदस्य जैसा प्रेम देने वाले, लोगों को साथ देने वाले तता लोगों के सुख-दुख में दौड़ने वाले नेता हैं. वे ऐसे पहले विधायक हैं, जिनके कार्यालय और घर पर सदा लोगों का मेला लगा रहता है. उनके यहां कार्यकर्ताओं का सम्मान जहां मिलता है, वहीं हर कार्यकर्ता का नाम याद रखने जैसी विलक्षण शरद पवार जैसी स्मरण शा उनमें ही है.

ज़ीवन में कई बार हमारी नेकी ही हमें सिंहासन पर पहुंचाती है. इसके जिवंत उदाहरण विदर्भ के लोकप्रिय विधायक रवि राणा हैं. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राजनीति के क्षेत्र में आज उनका सिक्का न केवल जिला,राज्य बल्कि केन्द्रीय राजनीति तक चलता है. इसमें निश्चित ही उनकी अथक मेहनत, लगन के साथ ही जो कारगर है, वह है गरीबों, जनता के प्रति उनकी दयाभावना. सेवाभावना. जिस उम्र में उन्होंने यह सफलता प्राप्त की, वह बगैर दुवाओं के संभव नहीं है. यही कारण है कि आज भी उनके विरोधी सदैव इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि दिग्गज नेताओं केसाथ उनके इस तरह मधुर और चहेते संबंध कैसे बन जाते हैं. वे स्वयं कहते हैं कि जनता उनकी और वे जनता के समीकरण पर वे काम करते हैं. शहर की राजनीति में कई बार जनता के लिए प्रशासन से भिड़ने के साथ ही किसी दिग्गज से उलझने में भी सुस्ती नहीं करते हैं. करोड़ों रूपए का मदद कार्य का सिलसिला तो सदैव चलता है. यही कारण है कि उन्हें खींचने के प्रयास में कई लंबे हो गए. लेकिन राजनीतिक क्षितिज पर ध्रुव के रूप में विधायक राणा अपना स्थान बनाने में सफल रहे हैं. उनका जन्मदिन भी जनसेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. उनका 28 अप्रैल को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान दिवस पर हमारी करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं. **दीपक साहू सम्राट**

बिगड़ता मौसम का गणित है भविष्य के लिए खतरे का संकेत

गर्मी में तेजी से बढ़ोत्तरी के अलावा बारिश की अस्थिरता है खतरनाक,समय रहते संभलना है जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान, 22 अप्रैल

अमरावती- शहर के साथ ही देश में मौसम में जिस तरह से तेजी से बदलाव हो रहा है, वह आगामी समय के लिए घातक कहा जा सकता है. मौसम के साथ जिस तरह से छेड़छाड़ की जा रही है, उसका असर पिछले दस साल से अधिक समय से बिगड़ता गणित मानव जीवन के लिए भी किसी खतरे से कम नहीं है. इस पर समय रहते उपाय ढूंढना और बिगड़े संतुलन को दूर करने के लिए पहल करना जरूरी हो गया है. वर्ना स्थिति गंभीर होने से इंकार नहीं किया जा सकता है.

शहर के साथ ही जिले में विगत पंद्रह-बीस वर्षों के दौरान व्यापक बदलाव दिखाई दे रहा है. इसका असर मानवीय स्वास्थ्य के साथ ही अन्य विषयों पर भी पड़ रहा है. तापमान में बढ़ोत्तरी लगातार जारी है. पिछले दशक में तापमान लगातार बढ़ा है, गर्मी अधिक तीव्र हुई है और वर्षा में कमी आई है. क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में तेजी आगामी समय के लिए चिंतित करने वाली है.

मौसम विशेषज्ञ प्रा.अनिल बंड के मताबिक पहले गर्मी 40 41रूडिग्री सेंल्सियस तक सामान्य रहती थी लेकिन गत दस वर्षों के दौरान इसमें दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होकर अब 42 44रूडिग्री सेल्सियस सामान्य हो गई है. दस साल पूर्व तक बारिश समय पर और नियमित होती थी और इससे फसलों की स्थिति बेहतरीन रहती थी लेकिन गत दस वर्षों के दौरान बारिश में अनियमितता है, बारिश कम और गर्मी अधिक वाली स्थिति है. मौसम अधिक गर्म और अस्थिर हो गया है. मौसम का असर केवल फसलों पर ही नहीं बल्कि मानवीय जीवन और स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है.धूप वाले दिनों की संख्या बढ़ी है, जबकि बारिश वाले दिनों में लगभग 60 से 65 फीसदी तक की कमी आई है. अमरावती का क्लाइमेट स्कोर अब उच्च जोखिम श्रेणी में पहुंच गया है, जो बढ़ती गर्मी और अस्थिर मौसम को दर्शाता है. मौसम में आने वाला यह बदलाव आगामी समय के लिए चिंताजनक कहा जा सकता है.47 डिग्री सेल्सियस रहा रिकार्ड

पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमरावती में पेड़ों की संख्या घटने से गर्मी बढ़ी है और इसका तीखापन सबसे अधिक चिंताजनक है. अमरावती में 24 मई 2010 को रिकार्ड तापमान दर्ज किया गया, जो पिछले पंद्रह वर्षों में भी नहीं टूटा है.इस वर्ष 19 अप्रैल को अमरावती का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम में तेजी से आ रहा बदलाव खतरनाक संकेत देते हुए हमें संभलने की चेतावनी भी दे रहा है.

भक्तिभाव,सेवाभावी व्यक्ति हैं देवराव भोरे

अंबाविहार निवासी, सेवानिवृत्त कर्मचारी के साथ ही कई संगठनों से सक्रियता से जुड़े देवराव भोरे बहुआयामी व्यक्ति हैं. भक्तिभाव, सेवाभाव तथा मददगार के त्रिवेणी संगम हैं.27 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. स्वयं आदर्श पुत्र, आदर्श पिता तथा पति की भूमिका निभाने वाले भोरे सादगी के साथ ही विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं. उनका आदर्श परिवार न केवल क्षेत्र बल्कि शहर में अपने क्षेत्र में सुख्यात है. बेटा नितिन राजनीति के साथ ही जनसेवा में समर्पित है, वहीं दूसरी ओर दूसरा बेटा भी व्यवसाय के क्षेत्र में अग्रणी है.

जीवन बड़ा कीमती है, यह बड़े भाग्य से मिलता है. इसका जब हम सदुपयोग करते हैं तो जीवन में खुशियां मिलती हैं लेकिन उसका दुरूपयोग करने के बाद जिंदगी में दुख भी उतने ही मिलते हैं. लेकिन जीवन में सदैव सभी का ख्याल रखने के साथ ही परिवार को आदर्श परिवार केरूप में समाज में स्थापित करने वाले अंबाविहार निवासी देवराव महादेवराव भोरे विरले व्यक्ति हैं. बचपन के संघर्षों से जूझते हुए उन्होंने जहां जीवन में स्वयं का स्थान बनाया, वहीं दूसरी ओर अपनी ईमानदारी, मेहनत, लगन और समर्पण के कारण कामयाबी की बुलंदी हासिल की. आज भोरे परिवार किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि व्यवसाय, सामाजिक सेवा, राजनीतिक क्षेत्र के साथ ही हर क्षेत्र में

अग्रणी है.परिवार द्वारा माता-पिता को जहां देवतुल्य माना जाता है, वहीं कुछ वर्ष पूर्व अमृत महोत्सव मनाकर पिता के आदर्श संस्कारों का परिचय भी परविार ने करवाया था.

संक्षिप्त जीवन परिचय

देवराव भोरे बचपन से ही मेहनती, संघर्ष करने वाले तथा आगे बढ़ने का जज्बा रखने वाले व्यक्ति थे. अकोला जिले के मुर्तिजापुर तहसील के पारद गांव में देवराव भोरे का जन्म 27 अप्रैल 1948 को हुआ था. उन्होंने उस समय बीए प्रथम वर्ष तक की शिक्षा प्राप्त क़ी. इतना ही नहीं तो शिक्षा विभाग में कनिष्ठ लिपीक के रूप में नौकरी की. अपनी मेहनत, लगन, ईमानदारी और समर्पण जैसे गुणों के कारण मुख्य लिपीक तथा अधीक्षक के रूप में सेवानिवृत्त हुए. बचपन से ही मेहनती, सूझबूझ रखने के साथ ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहने वाले देवराव भोरे संत सीतारामजी के भक्त थे. भोरे परिवार भक्तिभाव,सेवाभाव से परिपूर्ण परिवार है. उनकी सेवा और अन्य धार्मिक कामों में उनके समर्पण के कारण इस क्षेत्र में रूझान हुआ. वे श्री क्षेत्र तपोनेश्वर संस्थान बोडणा के अध्यक्ष के रूप में संस्थान को शानदार ऊंचाईयां सभी के साथ मिलकर जहां प्रदान की, वहीं दूसरी ओर 2006 से 2019 तक मंदिर के विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान दिया.

इतना ही नहीं तो श्रावण मास, चातुर्मास,अधिक मास, नवरात्र, दशहरा, दिवाली तथा महाशिवरात्रि के साथ श्री सीताराम गिरी महाराज पुण्यतिथि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त के साथ ही सामाजिक कामों में भी वे सदैव अग्रणी रहते हैं. इस पौराणिक महत्व रखने वाले मंदिर के जीर्णो द्धार में भारतकर, रूपचंद खंडेलवाल, रामचंद्र गुप्ता, भुजाळे, बाहेकर के साथ मिलकर बेहतरीन काम किया. उन्हें जीवन के 78वें वसंत यानी जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की ओर से मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वह स्वस्थ रहें, मस्त रहें, **प्रभु चरणों में यही कामना. अंत में संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं, वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं। ऐसे कर्मठ बाबा को जन्मदिन पर प्रणाम, आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े परिवार का मान।**

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,
वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं।
ऐसे कर्मठ बाबा को जन्मदिन पर प्रणाम,
आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े परिवार का मान।

बहुगुणी व्यक्तित्व, भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त,सेवाभारी, ईमानदारी, कर्मठता की मिसाल, सभी को साथ लेकर चलने वाले

देवराव महादेवराव भोरे

को ज़न्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक

असंख्य मित्र परिवार, नितिन भोरे मित्र मंडल तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

बडनेरा के विकास पुरूष हैं विधायक रवि राणा

ज़न्मदिन पर विशेष, लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर उतरे हैं खरे

लगातार चौथी बार विधायक बनकर बडनेरा विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व करने वाले, बडनेरा विधानसभा क्षेत्र के विकास को तेज़ करके इसे नई जान देने वाले नेता हैं विधायक रवि राणा. उनके विज़न और असरदार काम करने के तरीकों की वजह से आज बडनेरा शहर और ग्रामीण इलाकों में विकास की एक नई सुबह उगती दिख रही है.पहले बडनेरा, भातकली और अंजनगांव बाड़ी विकास से वंचित थे, लेकिन रवि राणा के विकास कार्यों की वजह से इस जगह की सूरत बदल गई है और यह शहर जैसा दिखने लगा है.

रेलवे वैगन कोच फैक्ट्री, एयरपोर्ट, पायलट ट्रेनिंग सेंटर, मीट कम्युनिकेशन कॉलेज, फिश फार्म सेंटर, कोडेश्वर ब्यूटीफिकेशन डेवलपमेंट प्लान, नई इलेक्ट्रिक बसों के लिए कोंडेश्वर रोड पर चार्जिंग सेंटर, ग्रामीण पुलिस के लिए सेटलमेंट, छत्री झील डेवलपमेंट और ब्यूटीफिकेशन ने बडनेरा विधानसभा क्षेत्र को एक नई पहचान दी है. कोडेश्वर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में बन रहा भव्य बोधिभूमि कल्चरल कॉम्प्लेक्स और भगवान गौतम बुद्ध की 51 फुट ऊंची मूर्ति न सिर्फ धार्मिक तौर पर बल्कि सांस्कृतिक और टूरिस्ट के तौर पर भी अहम हैं. इससे इस इलाके को एक अलग पहचान मिल रही है.हनुमान गढ़ी को टूरिस्ट स्पॉट घोषित करने और 111 फुट ऊंची हनुमंत राय की भव्य मूर्ति बनाने का काम चल रहा है, साथ ही भक्तों के लिए रेस्ट हाउस और नॉलेज सेंटर जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं. इससे धार्मिक टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है और लोकल इकॉनमी मजबूत हो रही है.

भटकली में नई तहसील बिल्डिंग, खोलापुरी गेट पुलिस स्टेशन, बडनेरा ओल्ड टाउन में कल्चरल भवन और शादीखाना हॉल बनने से एडमिनिस्ट्रेटिव और सोशल सुविधाएं और बेहतर हुई हैं. साथ ही, ऋणमोचन, तपोनेश्वर, कोडेश्वर जैसे टूरिस्ट जगहों को बड़े पैमाने पर डेवलप किया गया है.

शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है. राजापेठ, नवाथे, गोपाल नगर, अकोली, भटकुली रोड पर रेलवे अंडरपास, साथ ही राजापेठ, बडनेरा जूनीवस्ती और नविवस्ती में रेलवे फ्लाईओवर ने ट्रैफिक की एक बड़ी समस्या को हल कर दिया है.पेढ़ी और टाकली कलां प्रोजेक्ट्स ने पानी बचाने को बढ़ावा दिया है. पूरी क़्ध रोड, फ्रेजरपुरा बाईपास से बडनेरा जूनीवस्ती तक फोर-लेन सड़क और स्ट्रीट लाइट्स के बनने से शहर के विकास को नई गति मिली है.

इसके अलावा, शहर और ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग जगहों पर ऑडिटोरियम, पगडंडी रोड, नालों की कंक्रीटिंग, बुद्ध विहार, मंदिर ऑडिटोरियम, साथ ही ब्यूटीफिकेशन और बड़े एंट्रेंस बनाकर इलाके का कायापलट किया गया है.रवि राणा सिर्फ विकास के कामों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे एक ऐसे जननेता हैं जो

लोगों की हर समस्या का जवाब देते हैं और आम आदमी के सुख-दुख में शामिल होते हैं. उनकी लीडरशिप की वजह से, बडनेरा चुनाव क्षेत्र आज तेजी से तरक्की की ओर बढ़ रहा है.

इस विकास पुरुष को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! भगवान उन्हें अच्छी सेहत, लंबी उम्र और आगे के सफ़र में और ज़्यादा कामयाबी दे. बडनेरा विधानसभा के लोगों की यह खुशकिस्मती है कि उन्हें रवि राणा जैसा विकास को तरजीह देने वाला नेता मिला है. अंत में

नेतृत्व में हो सच्चाई, दिल में हो सेवा का भाव,
जनता की उम्मीदों का आप ही हैं सहाव।
जन्मदिन पर यही दुआ है हमारी दिल से,
आपका नाम रोशन करे हर गांव और हर शहर से।

अविनाश काले
निजी सचिव
विधायक रवि राणा
मो.नं.9834258505

जनसेवी युवा नेता है विधायक रवि राणा

बडनेरा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक, युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापक और जनसामान्य की आवाज के रूप में पहचाने जाने वाले विधायक रवि राणा का जन्मदिन उनके कार्यों और समाजसेवा के प्रति समर्पण का विशेष दिन है. वे केवल राजनेता नहीं, बल्कि एक मास लीडर के रूप में जनता के दिलों में बसे हुए हैं.जनसेवा और जनविकास को लक्ष्य बनाकर उन्होंने लगातार काम किया है. बडनेरा से लगातार चौथी बार विधायक चुने जाना जनता के विश्वास का प्रमाण है. उनके प्रयासों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास में उल्लेखनीय बदलाव आया है.युवा स्वाभिमान पार्टी के माध्यम से उन्होंने युवाओं को दिशा दी है और रोजगार व कौशल विकास जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य किया है. साथ ही वे महिलाओं के सम्मान और समान अवसर के समर्थक हैं, जिससे कई महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में आगे आने की प्रेरणा मिली है.किसी भी आपदा या सामाजिक समस्या में वे हमेशा आगे बढ़कर लोगों की मदद करते

हैं. उनकी स्पष्टवादिता, साहस और जनसंपर्क की मजबूत शैली उन्हें अलग पहचान देती है. जनता से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी सबसे बड़ी ताकत है, इसी कारण वे जनता की सच्ची आवाज माने जाते हैं.उनके जन्मदिन पर उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर जनसेवा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

एड. प्रीति बनारसे-रेवणे
शिक्षण सभापति, मनपा
नगरसेवक, प्रभाग क्रमांक 12

शुभेच्छुक - मंगेश प्रदीपराव इंगोले, अध्यक्ष युवा स्वाभिमान पार्टी,भातकुली,
अजय घुले, अध्यक्ष युवा स्वाभिमान पार्टी, अमरावती तहसील

धौरहरा में 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा,समूचे गांव में तैयारी तेज

पं.अवधनारायण शुक्ला सुनाएंगे कथा, समस्त दुबे परिवार का आयोजन,सभी मेहमानों के साथ बेटियों को भी भेजा है आमंत्रण

विदर्भ स्वाभिमान,22 अप्रैल

पट्टी/धौरहरा- जीवन में बहुत कम लोगों के नसीब में पवित्र जगन्नाथ यात्रा होती है. यह यात्रा प्रभु की कृपा और परिजनों के आशिर्वाद से पूरा करने के बाद इसका समापन भी अलग तरीके से किया जाता है. दलापांडे के धौरहरा के दुबान निवासी समस्त दुबे परिवार के नसीब में यह भाग्य प्राप्त हुआ है. परिवार के छोटे चाचा पं.राधेश्याम दुबे ने पवित्र जगन्नाथ यात्रा पूरी करने का सौभाग्य प्राप्त किया.

इस उपलक्ष्य में दलापांडे के धौरहरा निवासी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के साथ आगे बढ़ने वाले धार्मिक, सेवाभावी दुबे परिवार द्वारा मई महीने में गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को लेकर समस्त ग्रामवासियों में उत्साह व्याप्त है.कथा को अभूतपूर्व बनाने के लिए दुबे परिवार की तीन पीढ़ियों द्वारा जी-जान से प्रयास किया जा रहा है. समस्त गांववासियों का भी सहयोग जहां मिल रहा है, वहीं कथा प्रवक्ता पंडित अवधनारायण शुक्ला की कथा सुनने का बेसब्री से इंतजार गांववासियों द्वारा भी किया जा रहा है. दुबे परिवार के अलावा ग्रामवासी भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं. कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का भी आयोजन किया गया है.

गांव ही नहीं तो तहसील पट्टी तथा जिले में सुसंस्कारी तथा संयुक्त परिवार के आदर्श परिवार के रूप में दुबे परिवार को पहचाना जाता है. विभिन्न क्षेत्रों में स्थान बनाने वाले शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे परिवार द्वारा गांववासियों को श्रद्धा तथा भक्तिभाव का मौका उपलब्ध कराया जा रहा है. दलापांडे का धौरहरा के दुबान में आगामी 14 मई से 21 मई तक श्रीमद् भागवत कथा होगी. इसमें सुख्यात विद्वान अवधनारायण शुक्ला उर्फ वियोगी महाराज भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे. कथा की शुरुवात 14 मई को महिलाओं की कलश यात्रा से होगा.धौरहरा में दुबान नामक क्षेत्र के रूप में सुख्यात क्षेत्र में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय कथा कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः से सायंकाल तक श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं.अवधनारायण शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा.

गांव ही नहीं तो आसपास के विभिन्न गांवों के भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह धौरहरा के साथ ही विभिन्नि शहरों में रहने वाले दुबे परिवार ने किया है. सफलतार्थ श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, ज़गदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सुनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है.सप्ताह भर तक गांव में श्रीमद् भागवत की कथा से पूरा क्षेत्र ही श्रीकृष्णमय होने वाला है.

इनका आशिर्वाद-

गांव ही नहीं तो शून्य से आज कामयाबी की मंजिल तक पहुंचने वाले दुबे परिवार को दादाजी स्व.पारसनाथजी दुबे,स्व.शिरताजी दुबे, पुत्र स्व.जमुनाप्रसादजी, परिवार के त्याग की मूर्ति स्व.गयाप्रसादजी, चाची स्व.द्रोपदीदेवी, स्व. निर्मलादेवी के पावन आशिर्वाद से यह श्रीमद् भागवत कथा होने जा रहा है. इसका नेतृत्व पंडित शिवप्रसाद दुबे, राधेश्यामजी दुबे के अलावा तीसरी पीढ़ी के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है. इसकी तैयारियां बड़े पैमाने पर हो रही हैं. सभी से लाभ लेने का आग्रह दुबे परिवार ने किया है.गांव ही नहीं तो आसपास के दर्जनों गांवों में आदर्श परिवार के रूप में दुबे परिवार का उल्लेख किया जाता है.क्रथा के दौरान परिवार के सभी सदस्यों का हरसंभव योगदान मिल रहा है.

ज्ञान,सेवा,विद्वता के संगम हैं कथाकार शिवम बापू

विदर्भ स्वाभिमान, 22 अप्रैल

अमरावती- समय के साथ आज धार्मिकता के क्षेत्र में भी काम करने वालों को लेकर कई बार सवाल पैदा होते हैं लेकिन आज भी कुछ ऐसे आदर्श कथाकार अथवा युवा संत हैं, जिन्होंने अध्यात्म के माध्यम से मानवता की सेवा, गौमाता की सेवा को ही अपना लक्ष्य बना लिया है. कथाओं के माध्यम से इसका न केवल प्रचार करते हैं बल्कि जनसेवा में भी स्वयं को झोंक देते हैं. ऐसे ही कथा प्रवक्ता, युवा राष्ट्रीय संत तथा कथाकार शिवम बापू हैं. अमरावती के पार्वती नगर में केशरीनंदन संस्था द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान उन्हें करीब से देखने का मौका मिला. इस दौरान शास्त्र के साथ मानवता की सेवा, गौमाता की सेवा, हमारे सनातनी संस्कार के साथ ही संस्कारों पर ही वे जोर देते रहे. मानव सेवा को ईश्वर सेवा मानने के साथ ही हर विषय पर उनका गहन ज्ञान और समझाने का तरीका प्रभावित करने वाला था. धार्मिक वक्ता और कथा वाचक के रूप में रामकथा, भागवत कथा और भक्ति प्रवचनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं. उनकी वाणी सरल, प्रभावशाली और भावनात्मक होती है, जिससे श्रोताओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है.

कथाकार के रूप में मानव सेवा,गौमाता सेवा पर देते हैं सदा मार्गदर्शन

गरीब बेटियों की शादी, अन्नदान जैसे सेवाभावी कामों को प्राथमिकता

शिवम बापू का जन्म एक सामान्य परिवार में हुआ. बचपन से ही उनका झुकाव धर्म, अध्यात्म और सत्संग की ओर रहा. उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया और संत-महात्माओं के सान्निध्य में रहकर ज्ञान अर्जित किया. धीरे-धीरे उन्होंने कथा वाचन को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया.वे देश के विभिन्न राज्यों में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर कथा वाचन करते हैं और लोगों को नैतिकता, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं. उनकी कथाओं में समाज सुधार, सेवा भाव और मानवता का संदेश प्रमुख रूप से होता है.धर्म सेवा के साथ-साथ शिवम बापू जनसेवा में भी सक्रिय रहते हैं.जिला श्योपुर के श्री श्री नौनार सरकार धाम में कथा के साथ 351 बेटियों का सामुहिक विवाह हो रहा है, इसमें भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है. वे धर्म के क्षेत्र की ध्वजा को ऊंची रखें , विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

पढ़ाई के साथ बच्चों को कलाओं का ज्ञान जरूरी

पेज 1 से जारी-ये चीज़ें बच्चों के लिए बहुत ज़रूरी हैं. इन एक्टिविटीज़ की वजह से बच्चे कॉन्फिडेंस से बोलना, अपने विचार और फीलिंग्स बताना और नए आइडिया सजेस्ट करना सीखते हैं. साथ ही, बच्चों की क्रिएटिविटी बढ़ती है, वे दूसरों से अच्छी तरह बातचीत कर पाते हैं और टीम में काम करने की आदत डाल लेते हैं.

चाइल्ड साइकोलॉजी के नज़रिए से, यह बहुत आसान और सच है. बचपन से टीनएज तक का समय बच्चों के दिमाग के डेवलपमेंट के लिए बहुत ज़रूरी होता है. इस दौरान बच्चों को जो अनुभव होते हैं, उनका उनकी सोच और सीखने पर बहुत असर पड़ता है. रिसर्च से पता चलता है कि जो बच्चे आर्ट्स, खासकर परफॉर्मिंग आर्ट्स में हिस्सा लेते हैं, वे दूसरों से अच्छी तरह बात करना सीखते हैं, उनके इमोशंस को समझते हैं और उन्हें अच्छे से एक्सप्रेस करते हैं. साथ ही, ऐसे बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे अपनी पढ़ाई में भी रफ़्तार पकड़ते हैं. परफॉर्मिंग आर्ट्स इसलिए असरदार होते हैं क्योंकि वे एक ही समय में अपने दिमाग, शरीर और इमोशंस का इस्तेमाल करते हैं. इससे उनका पूरा विकास होता है.जब कोई बच्चा ड्रामा की प्रैक्टिस करता है या कोई म्यूज़िकल कंपोज़िशन सीखता है, तो वे न सिर्फ़ आर्ट सीख रहे होते हैं, बल्कि वे एक ही समय में कई ज़रूरी स्किल्स भी डेवलप कर रहे होते हैं. इनमें मेमोरी को बेहतर बनाना, फोकस बनाए रखना, अपने इमोशंस को कंट्रोल करना और दूसरों के इमोशंस को समझना शामिल है. ड्रामा बच्चों के लिए खास तौर पर फायदेमंद होता है क्योंकि यह उन्हें अपने इमोशंस एक्सप्रेस करने के लिए एक सुरक्षित जगह देता है. बच्चों को अक्सर अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में अपने विचारों और भावनाओं को साफ तौर पर एक्सप्रेस करने में मुश्किल होती है. लेकिन जब वे कोई कैरेक्टर निभाते हैं, तो वे उस कैरेक्टर के ज़रिए खुद को आज़ादी से एक्सप्रेस करते हैं. इस प्रोसेस में, बच्चे अलग-अलग इमोशंस को एक्सपीरियंस करते हैं और समझते हैं, वह भी बिना किसी डर या दूसरों की बुराई की चिंता के. धीरे-धीरे, इन सबका उनकी पर्सनैलिटी पर पॉजिटिव असर पड़ता है. उनका कॉन्फिडेंस बढ़ता है, उनकी सेल्फ-अवेयरनेस डेवलप होती है और उनकी इमोशनल इंटेलिजेंस भी बेहतर होती है.

परफॉर्मिंग आर्ट्स के फ़ायदे सिर्फ़ स्टेज तक ही सीमित नहीं हैं. ड्रामा, म्यूज़िक और मूवमेंट के ज़रिए बच्चे कई ज़रूरी चीज़ें आसानी से सीख जाते हैं. जैसे, वे साफ़ बोलना सीखते हैं, दूसरों के साथ मिलकर काम करना सीखते हैं और किसी चीज़ के बारे में सोचना और सही फ़ैसले लेना सीखते हैं. यह सब सीखते हुए, बच्चे कॉन्फिडेंस के साथ अपनी बात कहने लगते हैं और दूसरों की राय समझने लगते हैं. इससे उनका ऑल-राउंड डेवलपमेंट होता है. आज के समय में इन स्किल्स को बहुत ज़रूरी माना जाता है. टीचर, कंपनियाँ और एक्सपर्ट सभी कहते हैं कि सिर्फ़ किताबी ज्ञान काफ़ी नहीं है, बल्कि ऐसी स्किल्स भी ज़रूरी हैं. बच्चों को केवल किताबी कीड़ा बनाने की बजाय उन्हें जब हम विभिन्न कलाओं में माहिर करते हैं तो निश्चित तौर पर उनका बहुआयामी विकास होता है. जो तरक्की का कारण है.

बडनेरा के विकास पुरूष बनकर विधायकी का रिकार्ड रचने वाले, जनता के दिलों पर राज करने वाले, राज्य आश्वासन समिति के प्रमुख के रूप में रिकार्ड रचने वाले युवा नेतृत्व,जनता के हितों के लिए किसी से भी भिड़ने वाले विधायक

मा.आ.रविभाऊ राणा

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं

जनसेवा का जज्बा दिल में लेकर जो चलता है,
वही सच्चा नेता बनकर लोगों के दिलों में बसता है।
ऐसे प्रेरणादायक युवा नेता को जन्मदिन की बधाई,
आपकी सफलता से ही समाज में खुशहाली आई।

शुभेच्छुक -अविनाश काळे, राजेश बनारसे तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार,छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा सद्धर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

ज़नता का हित,क्षेत्र विकास रहता है सर्वोच्च

विधायक रवि राणा ने कहा, जनता मेरी, मैं जनता का

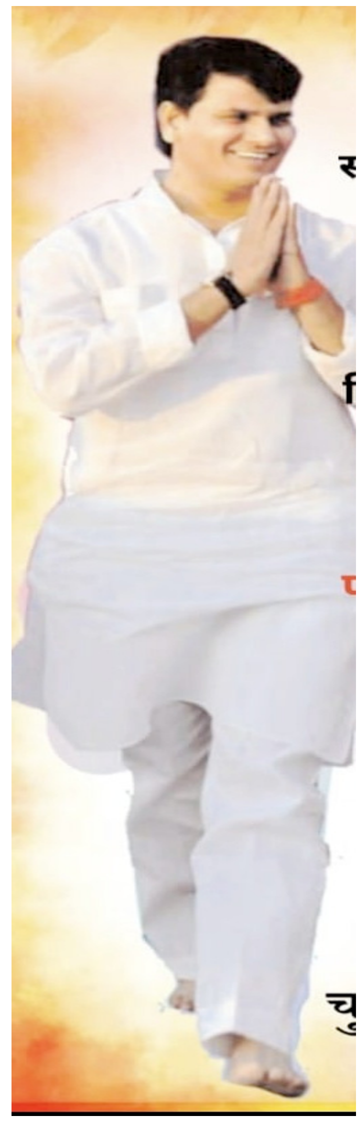

विदर्भ स्वाभिमान,22 अप्रैल

अमरावती- जिले की राजनीति में तेजी से उभरने के बाद लगातार विधायकी का ताज सिर पर रखकर बडनेरा के विकास का इतिहास रचने वाले विधायक रवि राणा का कहना है कि जनता का हित, सेवा तथा उनके न्याय के लिए वे हरसंभव करने का प्रयास करते हैं. कई बार इसके लिए सरकार से भिड़ने की नौबत भी आयी तो उन्होंने कभी पीछे नहीं देखा. यही कारण है कि वे जनता के और जनता उनकी वाला समीकरण बन गया. लोगों का प्यार और सहयोग उन्हें सदैव प्रेरित करता है. राजनीति की बजाय सेवाभाव को सदा महत्व देते हैं. यही कारण है कि कोई कितना भी आग उगले, जनता का प्रेम और विश्वास सदा उन्हें मिलता है.

मेरे जीवन में सदैव जनता का प्यार मिला है, उसकी वजह से ही आज मैं और नवनीत राणा यहां हैं. ऐसे में जनता से बढ़कर मेरे लिए और कोई नहीं हो सकता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस मेरे सदैव मार्गदर्शक रहे हैं. उनकी सलाह और मार्गदर्शन हम दोनों के लिए सदैव सर्वाधिक उपयोगी साबित हुआ है.

संबंधों को देते हैं महत्व

उनके मुताबिक वे जीवन में संबंधों को अत्याधिक महत्व देते हैं. यही कारण है कि लाखों कार्यकर्ताओं का प्रेम उन्हें मिलता है. बडनेरा के लोकप्रिय विधायक आदर्श मित्र, आदर्श पति रवि राणा को विदर्भ का तूफानी युवा नेतृत्व के रूप में माना जाता है. उनके विरोधी भी उनके अफलातून सोच और रणनीति की सराहना किए बिना नहीं रहते हैं.

28 अप्रैल को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 22 वर्षों से राजनीति में वे सक्रिय हैं. उनकी सबसे बड़ी ताकत जनता और कार्यकर्ता हैं, जो तन-मन-धन से उनके साथ खड़े रहते हैं. जनता के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहने वाले विधायक राणा कई बार विवादों में भी आते हैं. किसानों के लिए, गरीबों , दिव्यांगों सहित पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कई बार शासन-प्रशासन से भिड़ जाते हैं. उनका कहना है कि जनता के विश्वास के लिए अगर उन्हें विवाद भी करना पड़ता है तो वे पीछे नहीं हटते हैं. उद्देश्य केवल और केवल जनता का हित रहता है. वे जितने लोकप्रिय उतने ही विवादित नेता भी रहे हैं. जनता की सेवा के साथ ही जिले के सर्वांगीण विकास के लिए भी राणा दम्पति सदैव तत्पर रहता है. यही कारण है कि जनता का सदैव विश्वास उन्हें मिलता है.वे पहले ऐसे नेता हैं, जो अपनी जीत को लेकर आत्मविश्वास से भरपूर रहते हैं.

शून्य से संसार बनाने वाले रवि राणा का कहना है कि जीवन में कई बार हमारी नेकी ही हमें सिंहासन पर पहुंचाती है, विधायक रवि राणा के नेतृत्व में इस बार के मनपा चुनाव में जिस तरह से युवा स्वाभिमान पार्टी ने स्थानीय सरकार में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई, वह उनकी अपार लोकप्रियता के साथ ही मजबूत राजनीतिक रणनीति का परिचायक है. धीरे-धीरे अमरावती की राजनीति में चाणक्य बन रहे हैं. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राजनीति के क्षेत्र में आज उनका सिक्का न केवल जिला,राज्य बल्कि केन्द्रीय राजनीति तक चलता है. युवा स्वाभिमान पार्टी को राजनीति के साथ ही स्थापना के दिन से ही जनहित में जोड़ने वाले, हर साल गरीबों की मदद खुशियों के मौके पर करने वाले वे एकमात्र नेता हैं. कभी किराणा, कभी महिलाओं को साड़ी, कभी किसानों की मदद के साथ ही दिव्यांगों सहति सभी की मदद करने में सदैव अग्रणी रहते हैं. वे कहते हैं कि इन्सान भले ही उनका विरोधी हो जाए लेकिन उनके द्वारा नेकी के काम की दुवाएँ सदैव उनके साथ होती हैं. यही कारण है कि उनकी चाहत भी पूरी होती है. गलत के मामले में रफ एन्ड टफ रहने वाले दिग्गज नेताओं के साथ ग़हरे संबंध रखने वाले रवि राणा का कहना है कि वे कभी किसी से नाराजी नहीं रखते हैं लेकिन कोई उन्हें अगर छेड़ने का काम करता है तो उसे छोड़ते भी नहीं हैं. उनके जन्मदिन पर श्रम संस्कार शिविर से जनसेवा के सैकड़ों उपक्रम लेकर हजारों जरूरतमंदों को लाभान्वित करते हैं.

मेलघाट हाट : दुर्गम क्षेत्र की महिलाओं के उत्पादों को मिला सशक्त प्लेटफार्म

स्वतंत्र गोदाम, पैकेजिंग और लेबलिंग यूनिट की सुविधा

अमरावती जिले के मेलघाट क्षेत्र की दूरदराज़ आदिवासी बस्तियों में रहने वाली स्वयंसहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को अब मेलघाट हाट बिक्री केंद्र के माध्यम से एक सशक्त मंच मिला है. इस पहल से महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है.

जिला परिषद, महिला आर्थिक विकास महामंडल (माविम) और महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान के संयुक्त प्रयास से अमरावती में साइंसकोर परिसर के पास यह आधुनिक बिक्री केंद्र 5 जनवरी 2025 से संचालित है. इसके जरिए आदिवासी क्षेत्रों में बने उत्पादों की सीधे ग्राहकों तक बिक्री हो रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होकर महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है. महिलाओं की आत्मनिर्भरता का संबंध परिवार की प्रगति ही नहीं बल्कि क्षेत्र की प्रगति से भी होता है. महिलाओं द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बाजार उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है. इस सरकारी प्रयास की सराहना होनी चाहिए. आज महिलाएं मेहनत में कहीं भी कम नहीं हो रही हैं लेकिन महंगाई के इस दौर में शहर में वे दुकान नहीं ले सकती हैं, ऐसे में उनके द्वारा की गई मेहनत का सही मूल्यांकन और सही उपयोग नहीं हो पाता है.यह प्रयास ऐसे सैकड़ों सवालों का उत्तर है. आज मेलघाट हाट में महिलाओं द्वारा तैयार की जाने वाली वस्तुओं का शानदार प्लेटफार्म मिल रहा है और लोग इसमें सहभागी हो रहे हैं.

इस केंद्र में वनौषधियां, बांस से बने हस्तशिल्प, रानमेवा, शुद्ध शहद, अनाज, दालें, मसाले, लोणचे, चिखलदरा की प्रसिद्ध कॉफी, घी सहित कुल 47 प्रकार के उत्पाद उपलब्ध हैं. प्रारंभिक चरण में 60 महिला बचत समूहों के उत्पादों को शामिल किया गया है.

महिलाओं को बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद तैयार करने, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रंडिंग और विपणन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि उनके उत्पादों को राज्य और देशभर में पहचान मिल सके.इस केंद्र की खासियत यह है कि यहां आधुनिक मॉल की तर्ज पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें अलग गोदाम, पैकेजिंग और लेबलिंग यूनिट भी शामिल हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतर खरीद अनुभव मिल रहा है.

इसके अलावा खादी एवं ग्रामोद्योग मंडल और माविम के सहयोग से यहां खादी महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें सोलर चरखा के माध्यम से तैयार खादी उत्पादों को प्रदर्शित और विक्रय किया गया. इस पहल को नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिला.इस अभिनव उपक्रम के माध्यम से मेलघाट की आदिवासी महिलाओं को स्थायी बाजार और पहचान मिल रही है, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण को नई गति मिल रही है.

अपर्णा यावलकर,सूचना अधिकारी

सा इंटरनेशनल म्यूजिक अकादमी की युगल स्वरांजली

सुरों के माध्यम से समाजसेवा की सराहनीय परंपरा

विदर्भ स्वाभिमान,22 अप्रैल

अमरावती : सा इंटरनेशनल म्यूजिक अकादमी द्वारा संगीत और समाजसेवा को एक साथ जोड़ने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए युगल स्वरांजली कार्यक्रम का आयोजन 25 अप्रैल को सायं 6 बजे सिपना कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के ऑडिटोरियम में किया जा रहा है. इस विशेष आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद वरिष्ठ संगीतकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना और उनके दीर्घकालीन योगदान को सम्मानित करना है.अकादमी द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक उपक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और कृतज्ञता की भावना को भी मजबूत करते हैं. युगल स्वरांजली इसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण और सराहनीय प्रयास है, जिसके माध्यम से संगीत को सेवा का माध्यम बनाया गया है.

कार्यक्रम में हिंदी फिल्म जगत के लोकप्रिय युगल गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी. सा इंटरनेशनल म्यूजिक अकादमी के छात्र-कलाकार अपने सुमधुर गायन से श्रोताओं को पुराने दौर के सुनहरे गीतों की याद दिलाएंगे. इसके साथ ही नवोदित कलाकारों और अनुभवी वरिष्ठ कलाकारों की संयुक्त प्रस्तुतियां इस आयोजन को और भी विशेष बनाएंगी, जहां एक ही मंच पर अनुभव और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा.कार्यक्रम की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ जारी हैं. कलाकारों ने अपने प्रदर्शन को उत्कृष्ट बनाने के लिए विशेष अभ्यास किया है.

प्रा. डॉ. स्नेहाशीष दास के मार्गदर्शन में सभी प्रस्तुतियों को सुसंगत और प्रभावशाली रूप देने का प्रयास किया गया है, जिससे दर्शकों को उच्चस्तरीय संगीत अनुभव प्राप्त हो सके.

गुरुवार २३-२९ अप्रैल २०२६ तक

मेष-इस राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा. सप्ताह में कुछ अच्छी खबर मिलने वाली है. ऐसे में मेहनत तथा लगन के साथ प्रयास रखना जरूरी हो.कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनुमा रहेगा.सप्ताह में गाड़ी संभालकर चलाने के साथ ही आपके शब्दों से किसी को तकलीफ नहीं होना चाहिए. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे. घर-परिवार में खुशी के माहौल के लिए सभी योगदान देंगे.

कर्क-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कुंभ में हैं.आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए अप्रैल महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए अप्रैल महीने का यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए अप्रैल का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे.स्पर्धा परीक्षा के साथ ही अन्य क्षेत्रों में सफलता का योग है.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए अप्रैल महीने का यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-इस सप्ताह शांति और संयम से सभी काम निपटाने का प्रयास करें. समझदारी और एक-दूसरे को समझने की मानसिकता से कई समस्याओं का समाधान होगा. गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-खुशी तथा सम्पन्नता के लिए माता-पिता की सेवा तथा उनका आशिर्वाद आपके जीवन को ऊंचाईयों पर ले जा सकता है. घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ- अप्रैल महीने का यह सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है.आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए खुशियों वाला रहेगा.नाहक गुस्सा करने से बचना श्रेयस्कर होगा. समझदारी के साथ ही स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है.

मीन- अप्रैल महीने का यह सप्ताह लाभदायी है. कम मेहनत में भी आपको कामयाबी मिल सकती है. किसी को भी अपशब्द नहीं कहें और आपके शब्दों से किसी को कष्ट नहीं हो, इसका ध्यान रखें. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. घर-परिवार में मेहमानों का आगमन होगा और घर में खुशी का माहौल बना रहेगा. सभी को मिलकर प्रयास तथा साथ ही परिवार में खुशियां छायी रहेंगी, सभी ध्यान दें.

ओम नमो भगवते वासुदेवाय

विदर्भ के बहुआयामी युवा नेतृत्व हैं विधायक रवि राणा,सबके दिल में रहते हैं

भाग्यशाली, जनता के दुख-दर्द को समझने के साथ ही गरीबों, किसानों, दिव्यांगों के साथ ही समाज के पीड़ितों के साथ दिल से आस्था और प्रेम रखने वाले विधायक रवि राणा का जीवन संघर्षों में भी पीछे नहीं रहा है. लेकिन वह विदर्भ के पहले ऐसे युवा नेतृत्व हैं, जिनकी कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, केवल अपने सामाजिक कामों, लोगों के प्रति आत्मीयता और सभी के सुख-दुख के साथी के रूप में स्वयं का इतना ऊंचा स्थान बनाया है, जो ठान लेते हैं, कर दिखाते हैं. महाराष्ट्र में मातोश्री के सामने जाकर आंदोलन करने की बात हो अथवा किसानों के लिए तत्कालीन सरकार को घेरने की बात हो, उन्होंने जो भी आंदोलन किया, उसे न केवल सफलता बल्कि कामयाबी मिली और सरकार को झुकना पड़ा. अपने जन्मदिन को कई वर्षों से जनसेवा दिवस के रूप में मनाते हैं. आसमानी बुलंदी छूने के बाद भी जो जमीन पर जनता के साथ रहता है, उस विलक्षण युवा नेतृत्व का नाम विधायकरवि राणा है. लाखों कार्यकर्ताओं के नायक के साथ ही जनता को सबसे अधिक महत्व देते हैं. उनके जन्मदिन २८ अप्रैल पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ राष्ट्रीय नेताओं के साथ करीबी संबंधों के बाद भी कभी भी गर्व नहीं रहता है. जनता की समस्या के लिए प्रशासन को घेरने में पीछे नहीं हटते.

जनता के सुख-दुःख के साथी नेता

अमरावती जिले का यह सौभाग्य ही कहना चाहिए कि 30 साल पूर्व एक ऐसा युवा नेतृत्व ऊभरा, जिसकी राजनीति में एंट्री किसी नायक की तरह हुई और जिस उम्र में कोई पहले प्रयास में ग्राम पंचायत का सदस्य नहीं चुना जाता है, उस उम्र में विधायक बन गया. इतना ही नहीं तो बिना किसी गॉडफादर के केवल जनता के प्रेम, विश्वास और अपनेपन के बलबूते उस युवा नेतृत्व ने रवि राणा के रूप में बडनेरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के दिल पर कुछ ऐसा कब्जा किया कि दुनिया एक ओर होकर प्रयास करने के बाद भी लोगों ने उन्हें अपना भाई, अपना भविष्य मानते हुए लगातार चार बार चुनकर उनके प्रति अपना अपार प्रेम और विश्वास व्यक्त किया. युवा स्वाभिमान पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं के लिए रवि राणा पालक हैं, जो उन्हें अपना हर सुख-दुख बताते हैं.

विदर्भ की राजनीति में कुछ ऐसे युवा चेहरे उभरते हैं, जो केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जमीन पर उतरकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास करते हैं. ऐसे ही जननेता के रूप में विधायक तथा जनता के दिलों पर राज करने वाले बडनेरा के विधायक रवि राणा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है.पूरा परिवार ही सेवाभाव तथा सामाजिक जिम्मेदारियों से ओतप्रोत रहता है. बड़े भाई सुनील राणा के साथ ही पूरा परिवार कार्यकर्ताओं को अपने परिवार का सदस्य मानने के कारण रवि राणा के शब्दों पर मरने मिटने के लिए कार्यकर्ता सदा तैयार रहते हैं.

रवि राणा ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग के लिए लगातार आवाज उठाई है. उनकी कार्यशैली में आक्रामकता के साथ-साथ संवेदनशीलता भी दिखाई देती है. वे केवल समस्याओं को उठाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके समाधान के लिए भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं. यही कारण है कि आम जनता, विशेषकर गरीब वर्ग, उन्हें अपना नेता मानता है.

उनकी पहचान एक ऐसे युवा नेता के रूप में बनी है, जो लोगों के सुख-दुख में बराबर शामिल रहता है. चाहे किसी जरूरतमंद की मदद करनी हो, या किसी अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी हो, रवि राणा हमेशा अग्रणी भूमिका में नजर आते हैं. उनके प्रयासों से कई सामाजिक और विकासात्मक कार्यों को गति मिली है.रवि राणा का मानना है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक सशक्त जरिया है. वे युवाओं को भी राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि देश का भविष्य मजबूत और सशक्त बन सके.आज के दौर में जब राजनीति पर कई तरह के सवाल उठते हैं, ऐसे में रवि राणा जैसे युवा नेतृत्व आशा की एक नई किरण बनकर उभरे हैं. वे राजनीतिक क्षेत्र की आसमानी ऊंचाई छूएं, जन्मदिन पर यही शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, यही कामना.

मंगेश प्रदीपराव इंगोले
अध्यक्ष, युवा स्वाभिमान पार्टी
भातकुली, जि.अमरावती
मो. 9822254375

अमरावती में एक वर्ष में 196 महिलाओं को मिली मदद

अमरावती संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित मिशन शक्ति योजना के तहत अमरावती में वन स्टॉप सेंटर (ग्च्च्) प्रभावी रूप से कार्य कर रहा है. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और जिला महिला व बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित इस केंद्र ने पिछले एक वर्ष में 196 पीड़ित महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की है.

एक ही स्थान पर सभी

वन स्टॉप सेंटर: पीड़ित महिलाओं का सुरक्षित सहारा

सुविधाएं

घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी, एसिड अटैक या मानसिक व शारीरिक अत्याचार का सामना कर रही महिलाओं के लिए यह केंद्र सुरक्षित आश्रय बन गया है. यहां पीड़ितों को कानूनी सहायता, पुलिस सहयोग, काउंसलिंग, चिकित्सा सेवा और अस्थायी आश्रय जैसी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाती हैं.

इस केंद्र की विशेषता यह है कि यहां आने वाली हर महिला को उम्र, शिक्षा या वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना तुरंत सहायता दी जाती है. वर्ष 2017 से संचालित यह केंद्र महिलाओं के पुनर्वास के लिए निरंतर कार्यरत है. आज महिलाओं के बेहतरीन आसरा केन्द्र के रूप में यह केन्द्र सैकड़ों महिलाओं को सहारा देता है. सरकारी प्रयास से आज महिलाओं के जीवन में बदलने की क्षमता पैदा हो रही है.

24 घंटे उपलब्ध सेवा

यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध है. केंद्र जिला महिला अस्पताल परिसर, अमरावती में स्थित है. सहायता के लिए 9371708535 या 7720884198 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है. इसके अलावा 181 हेल्पलाइन पर भी कॉल कर मदद ली जा सकती है.समाज में पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उन्हें इस केंद्र तक पहुंचाने में पुलिस, सामाजिक संस्थाएं, आशा वर्कर और आंगनवाड़ी सेविकाएं भी सहयोग कर रही हैं.पीड़ित महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर वास्तव में एक सुरक्षित मायका साबित हो रहा है.

अपर्णा यावलकर,सूचना अधिकारी,
अमरावती जिला सूचना अधिकारी

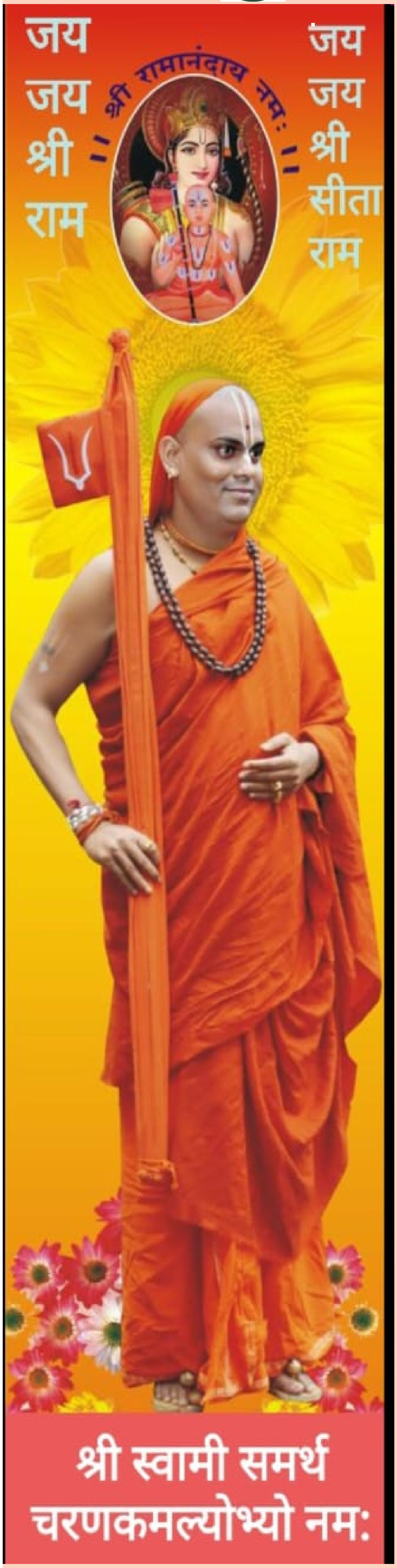

काम में समर्पण सफलता का मंत्र

स्वामीजी के मुताबिक ज़ीवन में कामयाबी के लिए आप पर जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए. ऐसा करने पर निश्चित तौर पर जीवन में भी सफलता मिलती है और सदैव सुकून भी मिलता है. देश में जिस पर जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन सभी अपनी पूरी योग्यता का उपयोग कर करें तो निश्चित ही राष्ट्र को महाशक्ती बनने में समय नहीं लगेगा. काम के प्रति ईमानदारी और समर्पण ही सफलता की कुंजी होता है. समय के साथ बदलना चाहिए, लेकिन जो अच्छा है, उसे छोड़ना बेकार है.

ज़गतगुरू के पंच सिद्धांत बदल सकते हैं हर व्यक्ति के हालात

धार्मिकता की ताकत में अपार शक्ती, रोजगार के सृजन का बन सकती है बेहतरीन माध्यम,संस्कारों की जरूरत

हमारे देश में संत-महात्माओं को अपार सम्मान देने के संस्कार हर भारतीय में हैं. लेकिन धार्मिकता को कर्मयोग से जोड़ते हुए समाज तथा राष्ट्र के विकास की कल्पना कुछ ही संतों -महात्माओं में दिखाई देती हैं. राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज ने राष्ट्र के बारे में सदैव सोचा है. विदर्भ को संतों का गढ़ माना जाता है. संतों की उसी आदर्श परम्परा में जगतगुरू अनंतविभूषित श्रीरामराजेश्वर माऊली सरकार का भी समावेश किया जा सकता है. जिनका विजन संत के असली मायनों को पूरा करने का काम करता है. केवल धर्म ही नहीं बल्कि मानवता का विकास, मानव का सर्वां गीण विकास उनके पंचतंत्रों में निहित है. बातचीत के दौरान उनके विचारों को सुनने के बाद जहां लगा कि जीवन में इस तरह की सोच विदर्भ के विकास के लिए अत्याधिक जरूरी है.अमरावती के करीब कौंडण्यपुर में साकार हो रही रूक्मिणी पीठ जहां विदर्भ की शान बनेगी, वहीं अध्यात्मिक क्षेत्र में यह पूरे भारत में अमरावती की शान बढ़ाने का विश्वास स्वामीजी ने जताया. उनके मुताबिक नेक दिल से शुरू किया गया कोई भी काम कभी विफल नहीं होता है. जब हमारे मन में हमारी सफलता का विश्वास हो तो दुनिया की कोई ताकत हमें हरा नहीं सकती है. उनके मुताबिक इरादे बुलंद होने के बाद ही बड़े-बड़े काम हो सकते हैं.

टेलीकाम कॉलोनी निवासी झटालेजी के निवास पर कुछ साल पहले जगतगुरू अनंतविभूषित श्रीरामराजेश्वर माऊली सरकार के साथ विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे

सभी विषयों का रखते हैं गहन ज्ञान

स्वामीजी से बातचीत के दौरान हर विषय पर उनका गहन ज्ञान रहने के साथ ही मन भी भावना भी समझने का एहसास हुआ. इसका अनुभव बैठे भक्तों के मन के विचार को समझते हुए तथा हो रही देरी को ध्यान में रखते हुए ऊपर से नीचे आने के दौरान ही हुआ. उनके मुताबिक धार्मिकता के साथ ही भगवान कृष्ण द्वारा बताए गए कर्म मार्ग का सच्चाई के साथ अगर हर व्यक्ति द्वारा पालन किया जाए तो वह भी किसी पुण्य से कम नहीं है.भारतीय संस्कृति और संस्कारों को महान बताते हुए माता-पिता की सेवा के माध्यम से आशिर्वाद लेने की सलाह दी. इससे जिंदगी बेहतरीन बनेगी.

पंचतंत्र की किताबें लिखने की इच्छा, बदल सकेगी दशा व दिशा

हमारे शास्त्रों में संत-महात्माओं के महत्व से पूरा शास्त्र भरा पड़ा है. उनके दर्शन तथा संत-महात्माओं के चरण घर में पड़ने से उसके जैसी पवित्रता नहीं हो सकती है. स्वामीजी भी संतों की उसी श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं. केवल धर्म ही नहीं बल्कि भारतीय आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ ही धार्मिक पर्यटन, मंदिरों के कुशल प्रबंधन सहित पांच तंत्रों को लेकर वे अत्याधिक संवेदनशील हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
दिनविशेष

इनमें अज्ञान से छुटकारा, विकास की संभावना, रोजगार का सृजन, हर बच्चे को समुचित शिक्षा, समाज तथा राष्ट्र विकास को वे अत्याधिक महत्व देते हैं. उनकी सेवा में रहने वाले रितेश शिरभाते, सेवाधारी चंदन खेतान सहित हजारों युवकों के मुताबिक गुरू कैसा होना चाहिए, इसके साक्षात प्रभु स्वरूप स्वामीजी हैं. जाति,पांति,धर्म की बेड़ियों को तोड़ते हुए वे विश्व कल्याण और मानव कल्याण की बात पर अत्याधिक जोर देते हैं.कर्म को धर्म से जोड़ते हैं. यही कारण है कि भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है. रूक्मिणी पीठ राष्ट्रीय स्तर पर शान बनेगा.

दिल के राजा जननायक हैं विधायक रवि राणा

ज़नता के अपार प्यार को मानते हैं ताकत, दुवाओं के लिए सदैव रहते हैं प्रयासरत, हजारों के जीवन को संवारने में योगदान

अमरावती - मैने जीवन में सदैव जनसेवा को अत्याधिक महत्व दिया है. राजनीति में प्रवेश की बात हो, धार्मिक बात हो अथवा शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा मामला हो, सदैव अमरावतीवासियों के लिए जितना संभव हो सकता है, उतना करने का प्रयास किया. विकास की बात हो या फिर जिले तथा विदर्भ पर होने वाले अन्याय का मामला हो, मैं सदैव जनहित में आगे रहूंगा. जनता का अपार प्यार मैं अपना भाग्य मानता हूं. उसे बढ़ाने में कभी पीछे नहीं हटूंगा. इस आशय का मत हनुमान चालीसा के मामले से राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छाने वाले विधायक रवि राणा ने किया. बडनेरा के साथ अमरावती की जनता द्वारा दिया गया प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए जिले ही नहीं तो विदर्भ में सुख्यात रवि राणा ने कहा कि जनता के लिए कुछ भी करने के लिए वे सदैव

विदर्भ स्वाभिमान

मैने जीवन में सदैव जनसेवा को अत्याधिक महत्व दिया है. जनता ही मेरी सबसे बड़ी गॉड फादर है. मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि राणा परिवार को सदैव जनता का साथ मिला है. मै इस विश्वास को सदैव बढ़ाने का काम करूंगा. जनता के लिए सदैव तत्पर रहूंगा और आखिरी सांस तक अन्याय के खिलाफ लड़ता रहूंगा.
रवि राणा,विधायक

तत्पर रहते हैं. जनता का सुख ही उनका सुख और दुःख वे अपना दुख मानते हुए इसके निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं. जिले के लोकप्रिय नेताओं में से एक रवि राणा दबंग नेता के रूप में गिने जाते हैं. किसानों का मामला हो, छात्रों की बात हो तथा किसी भी पीड़ित की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. युवा स्वाभिमान पार्टी को जनसेवा का आधार बनाने के साथ ही उन्होंने इसे जनसेवा में पूरी तरह से समर्पित कर दिया है. आज पार्टी द्वारा जितने सामाजिक उपक्रम लिए जाते हैं, उतने शायद ही किसी द्वारा लिया जाता है. अपने जन्मदिन को कई दशकों से सेवादिन बनाने वाले, दीपावली, ईद के साथ ही डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर गरीबों के दरवाजे तक मदद करने वाले अपार लोकप्रीय नेता हैं. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह सहित केन्द्रीय नेताओं के करीबी रहने के बाद भी उनकी सादगी उन्हें लोगों के दिलों में स्थान देती है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास करने वाले रवि राणा राजनीतिक विवादों से सदैव दूर रहे. उनके मुताबिक जनता ने भी उन्हें सदैव साथ और प्रोत्साहित किया. पिछले कई वर्षों से राजनीति में लगातार आगे ही बढ़ते रहें हैं. उनकी अपार लोकप्रियता किसी अभिनेता से कम नहीं है. लेकिन आज भी उनके पैर जमीन पर हैं. किसी हाथगाड़ी वाले के गले में हाथ डालकर आत्मीयता जताने, कार्यकर्ताओं को पितृवत प्रेम देने के साथ ही उनके हर मुसीबत में पूरी ताकत से खड़े रहने वाले जननेता के रूप में रवि राणा ने अपना स्थान बनाया है.उन्हें 28 अप्रैल को जन्मदिन पर मंगल कामनाएं. **विदर्भ स्वाभिमान डेस्क**

माता-पिता की सेवा से बड़ा पुण्य का काम नहीं होता है-नितिन भोरे

प्रतिनिधि, 22 अप्रैल

अमरावती- ज़ीवन में माता-पिता की सेवा से बड़ा धर्म हो ही नहीं सकता है. मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं क्यों कि मुझे आदर्श संस्कार रखने वाले माता-पिता मिले हैं. पिताजी देवराव महादेवराव भोरे ने जहां संघर्षो से जूझना का गुर दिया है, वहीं दूसरी ओर उनका आदर्श संस्कार और आदर्श विचार के कारण ही भोरे परिवार आज हर क्षेत्र में प्रगती कर रहा है. इस आशय का मत युवा समाजसेवी और धार्मिक कामों में भी अग्रणी रहने वाले नितिन भोरे ने किया. पिता देवराव भोरे को अपना आदर्श बताते हुए नितिन भोरे का कहना है कि माता-पिता के संस्कार और उनकी मेहनत का ही यह फल है कि आज वे इस मुकाम पर हैं. माता-पिता की सेवा करने वाला और उन्हें खुश रखने वाला पुत्र जीवन में कभी भी विफल नहीं हो सकता है.

जीवन में विश्वास जीतना हो तो हर बेटे को पहले अपने माता-पिता का विश्वास जीत लें. उनकी सेवा का पुण्य सभी पुण्यों पर भारी साबित होने की बात उन्होंने कही. जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कायम रहते हैं. इसलिए सदैव अच्छे काम करने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का मत शिवसेना के नितिन भोरे ने दिया. उनके मुताबिक वह स्वय को भाग्यवान मानते हैं, जिन्हें आदर्श पिता के रूप में देवराव भोरे मिले हैं. माता-पिता ने बचपन से ही आदर्श संस्कार दिए. पढ़ाया, लिखाया और जीवन में सदैव मानवता की सेवा करने की सीख दी. भगवान भोलेनाथ के पिता जहां अनन्य भक्त हैं, वहीं सभी रिश्तों को महत्व प्रदान करने के साथ ही किस तरह निभाया जाता है, इसकी सीख भी दी है. स्वयं भी सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले नितिन भोरे के मुताबिक नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए. नितिन भोरे के मुताबिक माता-पिता के आदर्श विचारों पर पूरा परिवार चल रहा है. यही कारण है कि आज भोरे परिवार शहर ही नहीं तो जिले में आदर्श परिवार के रूप में पहचाना जाता है. इसका पूरा श्रेय माता-पिता के आदर्श संस्कारों और उनके विचारों को जाने की बात भी नितिन भोरे ने कही.

संघर्षों से जूझकर स्वयं की मंजिल पाने वाला युवा समाजसेवी

बहुगुणी व्यक्तित्व अभिषेक पंजापी ने कभी नहीं मानी हार

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- क़हावत है कि भगवान भी उसी का साथ देते हैं, जो खुद की मदद खुद करने में विश्वास रखता है. जीवन में भाग्य के भरोसे बैठने वाले जीवन में जहां के वहीं रह जाते हैं लेकिन जो लोग प्रभु पर भरोसा करते हैं, माता-पिता का आशिर्वाद प्राप्त कर उनकी सेवा करते हैं, वे जीवन में कभी विफल ही नहीं हो सकते है. इस तरह की आत्मविश्वासपूर्ण सोच रखने वाले युवक के रूप में शिव स्पोर्टस के संचालक और सिंधी समाज के तेजी से उभरते समाजसेवी, व्यवसायी के साथ ही मानवता की सेवा में भी सदैव तत्पर रहने वाले अभिषेक पंजापी है. माता-पिता की सेवा का पाठ तो कोई उनसे सीखे. जिस तरह से इस सौभाग्यशाली बेटे ने भाई रवि पंजापी और पूरे पंजापी परिवार के साथ माता-पिता की सेवा की, उसका आदर्श युवाओं को लेने की जरूरत है.

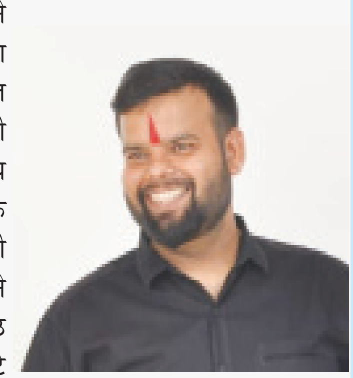

बचपन में माता-पिता के साथ मिलकर संघर्षों को झेलने के बाद माता-पिता के संघर्षों का साथी बनने वाले अभिषेक पंजापी जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन मित्र, भाई, पति तथा पुत्र हैं. संवेदनशीलता इतनी है कि किसी के दुख को सुन नहीं सकते हैं. बातचीत में वह बताते हैं कि पिता ने काफी संघर्ष किया था. आज अगर पंजापी परिवार पूरे समाज में सम्मानित परिवार के रूप में गिना जाता है तो पिता की तपस्य, उनकी मेहनत, उनकी उदार सोच और सदैव सेवाभाव की सीख को ही जाता है. माता जहां धार्मिकता से ओतप्रोत थी, वहीं पिता सेवाभावना और मानवता की सीख दोनों भाईयों को देते थे. पंजापी परिवार आज व्यवसाय के क्षेत्र में न केवल अमरावती शहर बल्कि समूचे विदर्भ में गिना जाता है. शिव स्पोर्टस, नमूना गल्ली नंबर 1 जहां ब्रांड बन गया है, वहीं दोनों भाईयों में राम-लक्ष्मण जैसा प्रेम, विश्वास और सम्मान ही इस प्रतिष्ठान को आज कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचा रहा है. गुणवत्ता के साथ ही विभिन्न सुख्यात कंपनियों के स्पोर्टस टी शर्ट, पैन्ट के साथ ही खेल से जुड़े हर आइटम यहां मिल जाते हैं. दोनों ही भाईयों के मुताबिक गुणवत्ता की सीख उन्हें पिता से मिली है. इसलिए यहां तत्परता से ग्राहकों की सेवा और गुणवत्तापूर्ण आइटम के मामले में कभी भी समझौता नहीं करते हैं. ग्राहकों का अपार प्यार उन्हें मिलने के कारण आज दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों की भीड़ रहती है. ग्राहकों के विश्वास को ही दोनों भाई अपनी असली पूंजी मानते हैं.

हौसलों की उड़ान हो, सेवा का हो रास्ता,
आपके साथ चले हर युवा का विश्वास सच्चा।
जन्मदिन पर ईश्वर से यही है प्रार्थना,
आपका नेतृत्व चमके जैसे सूरज की किरणें सदा।

बडनेरा के दबंग,विदर्भ के युवा नेतृत्व तथा जनता के दिल में रहने वाले विधायक रविकुमार राणा को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक
अभिषेक पंजापी
तथा मित्र
परिवार,अमरावती.